ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय-हिन्दी

दिनांक—18/02/2021 **सुदामा चरित**

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारित</u>

<u>सुदामा चरित</u>

वह पुलकिन, वह उठी मिलनि, वह आदर की बात ।

वह पठवानि गोपाल की, कछू न जानी जात ।।

घर-घर कर ओड़त फिरे, तनक दही के काज ।

कहा भयो जो अब भयो, हरि को राज समाज ।।

हौं, आवत नाहीं हुतौ, वाही पठयो ठेलि ।

अब कहिहौं समुझाय कै, बहु धन धरौ सकेलि।।
~~~~~~~~~~

वैसाई राज समाज बने, गज, बाजि घन मन संभ्रम लायो ।

कैंधो परयो कहुँ मारग भूलि, कि फैरि के मैं अब द्वारका आयो ।।
मौन बिलोकिबे को मन लोचत, सोचते ही सब गाँव मझायो ।

पूँछत पांडे फिरे सों पर, झोपरी को बहुँ खोज न पायो।

कै वह टूटी सी छानी हती, कहँ कंचन के अब धाम सुहावत ।

कै पग में पनही न हती, कहँ लै गजराजहु ठाढ़े महावत ।

भूमि कठोर पै रात कटै, कहँ कोमल सेज पै नींद न आवत ।

के जुरतो नहिं कोदो सवाँ प्रभु के परताप ते दाख न भावत

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”